an>

Title: Regarding reinstating the expelled students of Allahabad University and set up an enquiry on the corruption charges.

श्री विनोद कुमार सोनकर (कौशाम्बी) : महोदया, आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं आपके माध्यम से पूर्वांचल का आक्सफोर्ड कहे जाने वाले इलाहाबाद विश्वविद्यालय की ओर एचआरडी मिनिस्टर का ध्यान आकर्Âिषत करना चाहूंगा। दिनांक 24 जून को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पीजीएटी प्रवेश परीक्षा का पेपर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इससे आहत छात्रों ने उसी दिन व अगले दिन कुलपति कार्यालय पर प्रदर्शन किया। आंदोलनरत छात्रों के बढ़ते दबाव को देखते हुए कुलपति ने 8 तारीख को प्रो0 जयन्त त्रिपाठी की अध्यक्षता में एक जांच समिति बनाई, जिसको छात्रों ने सबूत दिए। समिति की रिपोर्ट 12 तारीख को सार्वजनिक की जानी थी, लेकिन उनके द्वारा सार्वजनिक नहीं की गई।

वहां जो विद्यार्थी आंदोलनरत थे, उनको निलम्बित कर दिया गया है और निष्कासित कर दिया गया है। मैं आपके माध्यम से एचआरडी मिनिस्टर से मांग करता हूं कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में व्याप्त भ्रÂष्टाचार और व्याप्त तानाशाही ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल।

श्री विनोद कुमार सोनकर: मैडम, यह बहुत जरूरी डिमांड है।

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी डिमांड जल्दी कहिए, बाकी बातें बोलते रहते हैं।

श्री विनोद कुमार सोनकर: महोदया, जो निलम्बित छात्र हैं, उनको बहाल किया जाए और जो वहां व्याप्त भ्रÂटाचार है, एक समिति बनाकर उसकी जांच की जाए और जो लोग दोÂषी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री रोड़मल नागर, श्री सुधीर गुप्ता, कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री शरद त्रिपाठी और श्री श्यामा चरण गुप्त को श्री विनोद कुमार सोनकर द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।